IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 7, April 2023

पंचायतीराज में महिला नेतृत्व का समाजशास्त्रीय अध्ययन

(रीवा जिले के विशेष सन्दर्भ में)

संगीता कुशवाहा
शोधार्थी समाजशास्त्र
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय,
रीवा (म.प्र)

डॉ. किरण सिंह
विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र
शास. कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
जिला सतना (म.प्र.)

शोध सारांश -

शासन के सभी स्तरों पर जनता की भागीदारी से ही लोकतंत्र की वास्तविक सफलता सुनिश्चित होती है। विश्व का महानतम लोकतंत्र कहलाने वाला भारत लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का एक श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत करता है। 73वें संविधान संशोधन के माध्यम से भारत की ग्रामीण संरचना को सशक्त करने का प्रयास किया गया है, जिसमें न केवल पुरुष बल्कि महिलाओं की भी राजनीतिक भागीदारी को एक ठोस आकार प्रदान किया गया है। पंचायत स्तर पर महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्राप्त है, संविधानत : महिलाएं राजनीतिक रूप से सशक्त हुई हैं। पंचायती राज के माध्यम से महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में एक आमूलचूल परिवर्तन हुआ है या कहें तो एक नया जीवन प्राप्त हुआ है तो दूसरी ओर ऐसे भी उदाहरण है, जहाँ महिलाओं को पंचायतों में वास्तविक भागीदारी प्राप्त नहीं हो सकी है। इस आलेख के माध्यम से पंचायतीराज संस्थाओं में महिलाओं की भूमिका और निर्वाचित महिला नेताओं के समक्ष आने वाली समस्याओं और चुनौतियों को रेखांकित करने का प्रयास किया गया है।

मुख्य शब्द – ग्रामीण, विकास, महिला, नेतृत्व, लोकतांत्रिक, विकेंद्रीकरण, स्थानीय स्वशासन, पंचायतीराज आदि।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची:

[1]. अमितकुमार रू 'पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी–एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य', जरनल ऑफ एडवांस एण्ड स्कोलर्ली रिसर्च इन एलाईडऐजुकेशन (अंक 9),जून, 2019,

[2]. कपिलदेव रू 'पंचायती राज–वर्तमान संदर्भ में एक विश्लेषणात्मक अध्ययन', जरनल ऑफ एडवांस एण्ड स्कोलर्ली रिसर्च इन एलाईड ऐजुकेशन (अंक–9),अक्टूबर, 2018,

[3]. किरण कुमारी रूग्रामीण महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता का शैक्षणिक परिवेश से संबंध राजस्थान के जयपुर जिले की दूदू तहसील के संदर्भ में एक अध्ययन (पी.एच.डी उपाधि के उपाधि के लिए प्रस्तुत अप्रकाशित शोध प्रबंधन),मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, जयपुर, 2018,

[4]. कृष्ण चंद्रचौधरी, 'पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी',कुरुक्षेत्र,जुलाई, 2018,

[5]. मंजूकुमारी, 'महिला सशक्तिकरण की दिशा में पंचायती राज की भूमिका–बिहार के संदर्भ में',जरनल ऑफ एडवांस एण्ड स्कोलर्ली रिसर्च इन एलाईड ऐजुकेशन(अंक–3), मई, 2018,

[6]. मीनाश्रृंगी, 'राजस्थान के पंचायती राज में 73वें संशोधन के बाद महिलाओं की स्थिति (सहभागिता समस्याएँ, निराकरण)'श्रंख्ला एक शोधपरक वैचारिक पत्रिका(अंक–8), अप्रैल, 2018,

[7]. मुकेश कुमार, 'महिला प्रतिनिधियों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति का तूलनात्मक अध्ययनः झारखण्ड के सन्दर्भ में', जर्नल ऑफ़ एडवांसेज एंड स्कॉलरली रेसर्चेस इन अलाइड एजुकेशन(अंक–2), 2019,

[8]. रविन्द्र कुमार शर्मा रू 'ग्रामीण विकास में पंचायती राज के महिला प्रतिनिधियों की भूमिका',जरनल ऑफ एडवांस एण्ड स्कोलर्ली रिसर्च इन एलाईड ऐजुकेशन (अंक–10), अप्रैल, 2013,

[9]. राजेंद्र कुमार सिंह रू 'वोमेन इन पंचायत',कुरुक्षेत्र, जुलाई, 2018,

[10]. राजेशकुमार रू 'पंचायती राज एवं महिला नेतृत्व विकास–एक विमर्श', रिसर्च रिव्यू इंटरनेशनल जरनल ऑफ मल्टीडिसीप्लीनरी(अंक–10),अक्टूबर, 2018,

[11]. रूबी कुमारी, 'झारखण्ड की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी',इंडियन जर्नल ऑफ सोसाइटी एंड पॉलिटिक्स(अंक–1), 2018,

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 7, April 2023

[12]. विनोद कुमार गर्ग रू 'राजनीति में महिला सहभागिताः एक विश्लेषण', जरनल ऑफ एडवांस एण्ड स्कोललीं रिसर्च इन एलाईड ऐजुकेशन (अंक–9), जून, 2019,